

SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY

End Semester Examination (2021-22)-Odd Semester

BA(JMC) – I Year (Sem I)

Course Name: भाषा एवं संचार	Code: BJM1001
Time: 02 Hours	Max Marks: 60
University Roll No.	
(To be filled by the Student)	

Note: Please read instructions carefully:

- The question paper has 03 sections and it is compulsory to attempt all sections.
- All questions of Section A are compulsory; questions in Section B and C contain choice.

Section A: Very Short Answer type Questions		BL	CLO	Marks (10)
Attempt all the questions.				
1.	अनेकार्थक शब्द से आप क्या समझते हैं? किन्हीं दो उदाहरणों से समझाइए।	BL1	CLO1	02
2.	भाषा के कितने तत्व होते हैं? विस्तार से वर्णन कीजिए।	BL2	CLO1	02
3.	विलोम शब्द से क्या तात्पर्य है? उदाहरण सहित समझाइए।	BL2	CLO1	02
4.	“डूबते को तिनके का सहारा” लोकोक्ति का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग करें।	BL4	CLO2	02
5.	“गागर में सागर भरना” मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग करें।	BL3	CLO2	02
Section B: Short Answer Type Questions		BL	CLO	Marks (30)
Attempt any 03 out of 05 questions.				
1.	रेडियो की भाषा की विशिष्टता स्पष्ट कीजिए।	BL2	CLO3	10
2.	‘अमृतसर आ गया है’ का सारांश एवं लेखक परिचय लिखिए।	BL4	CLO2	10
3.	पोषाक तथा प्रसाधन के उपयोग से सम्प्रेषण और भी प्रभावशाली होता है। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।	BL3	CLO2	10
4.	नीचे दिए गये शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए— क) ध्येय ख) नदी ग) पंकज घ) दिन च) इज्जत	BL1	CLO1	10
5.	नीचे दिए गये शब्दों के दो-दो विलोम शब्द लिखिए— क) प्रकाश ख) अर्थ ग) मूक घ) मौखिक च) घृणा	BL1	CLO1	10
Section C: Long Answer Type Questions/Case Study		BL	CLO	Marks (20)
Attempt any 01 out of 04 questions.				
1.	‘टीवी का जीवन पर प्रभाव’ पर निबन्ध लिखिए।	BL2	CLO3	20
2.	भाषा के विकास में समाचार पत्रों के योगदान की व्याख्या कीजिए।	BL4	CLO2	20
3.	हिन्दी में अनुवाद कीजिए। It is wrong to suppose that we will get moksha, heaven, or that all our duties towards God have been accomplished by merely going to a place of worship, a temple, and praying there. When children who are always engaged in play go to school regularly, their minds turn towards studies. Similarly, people whose minds are always running after objects will find temples and pilgrimages useful to turn their mind towards God. Even the mind of a pleasure-loving man gets elevated and purified with thoughts of the Supreme when he	BL6	CLO3	20

<p>enters the temple, sees the enchanting images and hears devotees singing hymns. In such pure abodes of God, there is no room for impure thoughts. When one goes to the temple, one is not worshipping the stone idol there, but the Lord of all who is represented by the idol. Though the Supreme is all-pervading, for those seekers who find it difficult to contemplate on His all-pervasiveness and see Him everywhere, temples and pilgrim centres have been established.</p>			
<p>4. नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर उत्तर दीजिए।</p> <p>वर्तमान सांप्रदायिक संकीर्णता के विषम वातावरण में संत-साहित्य की उपादेयता बहुत है। संतों में शिरोमणि कबीर दास भारतीय धर्मनिरपेक्षता के आधार पुरुष हैं। संत कबीर एक सफल साधक, प्रभावशाली उपदेशक, महा नेता और युग-द्रष्टा थे। उनका समस्त काव्य विचारों की भव्यता और हृदय की तन्मयता तथा औदार्य से परिपूर्ण है। उन्होंने कविता के सहारे अपने विचारों को और भारतीय धर्म निरपेक्षता के आधार को युग-युगान्तर के लिए अमरता प्रदान की। कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा था। सत्य के समर्थक कबीर हृदय में विचार-सागर और वाणी में अभूतपूर्व शक्ति लेकर अवतरित हुए थे। उन्होंने लोक-कल्याण कामना से प्रेरित होकर स्वानुभूति के सहारे काव्य-रचना की।</p> <p>वे पाठशाला या मकतब की देहरी से दूर जीवन के विद्यालय में 'मसि कागद छुयो नहि' की दशा में जीकर सत्य, ईश्वर विश्वास, प्रेम, अहिंसा, धर्म-निरपेक्षता और सहानुभूति का पाठ पढ़ाकर अनुभूति मूलक ज्ञान का प्रसार कर रहे थे। कबीर ने समाज में फैले हुए मिथ्याचारों और कुत्सित भावनाओं की धज्जियाँ उड़ा दीं। स्वकीय भोगी हुई वेदनाओं के आक्रोश से भरकर समाज में फैले हुए ढोंग और ढकोसलों, कुत्सित विचारधाराओं के प्रति दो टूक शब्दों में जो बातें कहीं, उनसे समाज की आँखें फटी की फटी रह गईं और साधारण जनता उनकी वाणियों से चेतना प्राप्त कर उनकी अनुगामिनी बनने को बाध्य हो उठी। देश की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान वैयक्तिक जीवन के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयत्न संत कबीर ने किया।</p> <p>(क) आज संत-साहित्य को उपयोगी क्यों माना गया है?</p> <p>(ख) संत-शिरोमणि किसे माना गया है और क्यों?</p> <p>(ग) कबीर के व्यक्तित्व एवं काव्य की क्या विशेषता थी?</p> <p>(घ) सामान्य जनता कबीर की वाणी को मानने को क्यों बाध्य हो गई?</p> <p>(ङ) अपने जीवन के माध्यम से कबीर ने किन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया?</p>	BL6	CLO1	20